अंक – 51 25.08.2025 सोमवार

कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

25 अगस्त 2025 सोमवार

कैमूर अंक- 51

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

AUGUST 2025

S	M	T	W	T	F	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

संपादकीय

कैमूर चेतना - सत्र

शुभकामना संदेश

कार्यालय
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
(स्थापना, एस.एस.ए.,माध्यमिक शिक्षा)
कैमूर (भभुआ)

“कैमूर चेतना सत्र" पत्रिका, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन के रूप में प्रस्तुत की गई है। यह पहल न केवल कैमूर जिले की शिक्षण परंपरा में नवाचार का संचार करती है, बल्कि ज्ञान, सृजनशीलता और सहभागिता की एक नई दिशा भी प्रदान करती है।

शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षकों को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ जो उन्हें सशक्त बनाएं, अद्यतन रखें और शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए आनंददायक बनाएं।

"कैमूर चेतना सत्र" इसी सोच का सशक्त प्रतिबिंब है। इस रचनात्मक सामग्री के निर्माण में कैमूर चेतना – सत्र निर्माण कोषांग के सदस्यों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। इनका यह समर्पण निश्चित ही जिले के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देगा।

मैं इस पत्रिका की संकल्पना एवं निर्माण से जुड़ी संपूर्ण टीम को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

"कैमूर चेतना सत्र" भविष्य में भी शिक्षक व विद्यार्थियों — दोनों के लिए नवाचार और प्रगति का माध्यम बना रहे, यही शुभकामना है।

श्री विकास कुमार डीएन
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, कैमूर
(एस.एस.ए, स्थापना, माध्यमिक शिक्षा)

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

राजेश कुमार सिंह
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा , कैमूर

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो सके |

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

तांत्या टोपे

भारतीय राष्ट्रवादी और स्वतंत्रता सेनानी

जन्म : 16 फरवरी 1814, पुणे
निधन : 18 अप्रैल 1859, मध्य प्रदेश

तात्या टोपे 1857 के भारतीय विद्रोह (जिसे सिपाही विद्रोह भी कहा जाता है) के एक नेता थे। हालाँकि उन्हें कोई औपचारिक सैन्य प्रशिक्षण नहीं मिला था, फिर भी वे विद्रोहियों के सबसे प्रभावी सेनापतियों में से एक थे।

तात्या टोपे एक मराठा ब्राह्मण थे जो मराठा संघ के पूर्व पेशवा (शासक) बाजी राव और उनके दत्तक पुत्र नाना साहेब की सेवा में थे, जो विद्रोह में भी प्रमुख थे।

वह कानपुर में ब्रिटिश उपनिवेश के नाना साहेब के नरसंहार में मौजूद थे ; नवंबर 1857 की शुरुआत में उन्होंने ग्वालियर राज्य की विद्रोही सेनाओं की कमान संभाली थी और 27-28 नवंबर को जनरल सीए विंडहैम को कानपुर में उनकी खाइयों में खदेड़ दिया था।

तात्या टोपे 6 दिसंबर को सर कॉलिन कैंपबेल (बाद में बैरन क्लाइड) से हार गए लेकिन अपनी हार के बाद कालपी में ही रहे। मार्च 1858 में वे झांसी की सहायता के लिए चले गए , जहाँ की रानी लक्ष्मी बाई को ब्रिटिश सेनाओं ने घेर लिया था। फिर से पराजित होने पर, उन्होंने कालपी में भागती हुई रानी का स्वागत किया और फिर 1 जून को ग्वालियर की ओर सफलतापूर्वक धावा बोला

। 9 जून को उनकी सेनाएँ टूट गई, लेकिन उन्होंने जंगल में एक गुरिल्ला योद्धा के रूप में तब तक प्रतिरोध जारी रखा जब तक कि अगले अप्रैल में उन्हें धोखा नहीं दिया गया।

अंत में नरवर के शासक मानसिंह ने तात्या टोपे को अंग्रेजों के हाथों पकड़वा दिया। शिवपुरी में उन पर मुकदमा चलाया गया और 18 अप्रैल, 1859 को अंग्रेजों ने तात्या टोपे को फाँसी दे दी।

अम्ल , क्षार और लवण

उपयोग

सोडियम हाइड्रोक्साइड
1. धातुओं से ग्रीज़ हटाने के लिए
2. साबुन और अपमार्जक बनाने में
3. कागज़ बनाने के लिए

हाइड्रोजन
1. रॉकेट में द्रवित ईंधन के रूप में
2. मार्गरीन बनाने में
3. अमोनिया बनाने में

क्लोरीन
1. जल के शुद्धिकरण में
2. कीटनाशक बनाने में
3. सी. एफ. सी. के निर्माण में

कार्यालय - जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर
राजेश कुमार सिंह

1. प्रार्थना

प्रार्थना

तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो॥
तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो॥
तुम ही हो साथी, तुम ही सहारे।
कोई ना अपना सिवा तुम्हारे॥
तुम ही हो साथी, तुम ही सहारे।
कोई ना अपना सिवा तुम्हारे॥
तुम ही हो नईया, तुम ही खिवईया।
तुम ही हो बंधू, सखा तुम ही हो॥
तुम ही हो माता, पिता तुम्ही हो।
तुम ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो॥
जो खिल सके ना वो फूल हम हैं।
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं॥
जो खिल सके ना वो फूल हम हैं।
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं॥
दया की दृष्टि, सदा ही रखना।
तुम ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो॥
तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो॥
तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"इतिहास लिखने के लिए कलम नही, हौसलों की जरूरत होती है" – अज्ञात

3. रोचक तथ्य

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र: भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश है, जिसमें दुनिया की सबसे बड़ी आबादी एक साथ मतदान करती है।

4. दिवस विशेष

उरुग्वे का स्वतंत्रता दिवस

1825 में स्पेन और ब्राजील के शासन से उरुग्वे की स्वतंत्रता की घोषणा की गई थी, जिसे आज भी याद किया जाता है।

राष्ट्रीय केला विभाजन दिवस

यह एक अनौपचारिक दिन है जो केले से बनी इस मिठाई का सम्मान करता है।

5. आज का इतिहास

1351- सुल्तान फिरोजशाह तुग़लक़ तृतीय की ताजपोशी

1957 - भारतीय पोलो टीम ने विश्व कप जीता।

1975- भारत पोलो विश्व विजेता बना।

1980 - जिम्बाब्वे संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।

2003- मुंबई के गेटवे ऑफ़ इंडिया और मुंबी देवी मंदिर के पास हुए कार बम विस्फोट में 50 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई तथा 150 से अधिक घायल हो गए।

2011- श्रीलंका की सरकार ने देश में घोषित आपातकाल को 30 वर्ष बाद वापस लिया।

6. सामान्य ज्ञान

प्रश्न: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई थी?
उत्तर: 1885 में

प्रश्न: अर्थशास्त्र पुस्तक के लेखक कौन हैं?
उत्तर: चाणक्य

प्रश्न: " कैप्टन कूल " किसका उपनाम हैं?
उत्तर: महेंद्र सिंह धोनी

प्रश्न: सबसे अधिक उपग्रह वाला ग्रह कौन सा हैं?
उत्तर: शनि

प्रश्न: पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह कौन सा हैं?
उत्तर: चंद्रमा

टेलीविजन का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर:- जे. एल. बेयर्ड

हीरा चमकदार क्यों दिखाई देता है?
उत्तर:-पूर्ण आंतरिक परावर्तन के कारण

मनुष्य के रक्त का PH मान कितना होता है?
उत्तर:- 7.4

पृथ्वी पर सबसे अधिक मात्रा में पाया जाने वाला धातु तत्त्व कौन-सा है? उत्तर:- ऐलुमिनियम

मनुष्य के नेत्र में कौन सा लेंस उपस्थित होता हैं?
उत्तर: उत्तल लेंस

नारी अदालत किस राज्य में शुरू की गई?
उत्तर: उत्तराखंड

7. शब्द ज्ञान

अंगेजी -हिंदी

Absolutely	- बिल्कुल	Propose	- प्रस्ताव रखना
Absorb	- सोख लेना	Purpose	- इरादा
Abuse	- गाली देना	Honesty	- ईमानदारी
Academic	- शैक्षिक	Impose	- थोपना
Accept	- मानना	Forgive	- माफ़ करना

8. तर्क ज्ञान

निम्नलिखित शब्दों में से विषम शब्द चुनिए |
(A) महासागर (B) कुआँ
(C) टैंक (D) झील

निम्नलिखित शब्दों में से विषम शब्द चुनिए |
(A) शनि (B) पृथ्वी
(C) चन्द्रमा (D) शुक्र

9. कंप्यूटर ज्ञान

विशिष्ट कुंजियाँ (Special keys): Enter, Delete, ctrl , Esc, Tab, Spacebar.

10. प्रेरक प्रसंग

एक बार एक 24 साल का लड़का अपने पिता के साथ ट्रेन में था। ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए, वह चिल्लाया... "पिताजी, देखो, पेड़ हमारे पीछे जा रहे हैं!"
उसके पिता मुस्कुराए। पास बैठे एक जोड़े का ध्यान उस लड़के की ओर गया, जिन्होंने उसके बचकाने व्यवहार पर दया की दृष्टि से देखा।
अचानक, लड़का फिर से चिल्लाया... "पिताजी, देखो, बादल हमारे साथ दौड़ रहे हैं!"
शोरगुल से परेशान होकर दम्पति ने बूढ़े व्यक्ति की ओर देखा और कहा, "आपको अपने बेटे को किसी अच्छे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।"
बूढ़े आदमी ने दंपत्ति की तरफ़ मुस्कुराते हुए कहा, "इसने अभी-अभी देखा। हम अस्पताल से घर जा रहे हैं। मेरा बेटा जन्म से ही अंधा था, और आज ही उसे आँखें मिली हैं।"

नैतिक:
धरती पर हर किसी की एक कहानी होती है। लोगों को पूरी तरह जानने से पहले उनके बारे में कोई राय न बनाएँ। सच्चाई आपको चौंका सकती है।

11. बूझो तो जानें

अगर तुम जंगल में खो गए और तुम्हारे पास माचिस है। तुम्हारे सामने एक लालटेन, एक लकड़ी और एक गैस स्टोव है। तुम सबसे पहले क्या जलाओगे?
(जवाब: माचिस की तीली)

मैं पहले पानी में डूबती हूँ, फिर तैरती हूँ, फिर गायब हो जाती हूँ – मैं क्या हूँ?
(जवाब: बर्फ)

विभागीय सूचना

- सभी मध्य विद्यालय के विज्ञान/गणित पढ़ाने वाले/नामित शिक्षक अगस्त माह का प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग अंतर्गत MIP 3.4 को दिनांक 25.08.2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।
- सभी मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक इंस्पायर अवार्ड से संबंधित 05 बच्चों के प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड के वेबसाइट पर नॉमिनेशन करते हुए पंजीकरण अनिवार्य रूप से दिनांक 31.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे
- सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक E-shikshakosh पर नामांकित सभी बच्चों के 01 अप्रैल से 31 जुलाई 2025 तक के 75% उपस्थिति वाले छात्रों की मार्किंग दिनांक 27.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।
- सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक U-Dise Plus पर नामांकित सभी छात्रों की इंट्री कराने के साथ-साथ उनके प्रोफाइल अपडेट के दौरान AP,EP,GP का कार्य दिनांक 25.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे।